दिवस 8

मूल संरचना/आधारभूत ढाँचा

सामान्यतः भारतीय राजनीति और विशेष रूप से UPSC के लिये यह हमेशा से एक महत्त्वपूर्ण विषय रहा है। विगत वर्षों में संविधान के आधारभूत ढाँचे/मूल संरचना से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए हैं। क्रमिक वर्षों में आधारभूत संरचना तथा केशवानंद भारती मामला आदि के बारे में बार-बार प्रश्न पूछे गए हैं। अतः यह संभावना है कि इस वर्ष भी प्रारंभिक परीक्षा में इससे संबंधित प्रश्न पूछा जा जाए।

संदर्भित लेख

- भारतीय संविधान और संवैधानिक व्याख्या
- केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामला
- संविधान की मूल संरचना (youtube)
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सिद्धांत
- शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत
- सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में सबसे प्रभावशाली निर्णय

विगत वर्षों के प्रश्न

प्र. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1- भारत की संसद किसी विशेष कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल कर सकती है।
2- नौवीं अनुसूची में शामिल किसी भी कानून की वैधता की जाँच किसी अदालत द्वारा नहीं की जा सकती और इस पर कोई निर्णय भी नहीं किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्र. भारत के संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1- किसी भी केंद्रीय विधि को सांविधानिक रूप से अवैध घोषित करने की किसी भी उच्च न्यायालय की अधिकारिता नहीं होगी।
2- भारत के संविधान के किसी भी संशोधन पर भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रश्न नहीं उठाया जा सकता।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

महत्त्वपूर्ण संवधिान संशोधन

प्रायः यह देखा गया है कि UPSC भारत के संवधिान में नवीनतम संशोधनों से संबंधति प्रश्न पूछता है। इसे वगित वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के माध्यम से समझा जा सकता है। इस प्रकार हाल ही में हुए संवैधानकि संशोधन अधनियिमों के बारे में जानकारी होना प्रारंभकि परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

- महत्त्वपूर्ण संवधिान संशोधन भाग-1
- महत्त्वपूर्ण संवधिान संशोधन भाग-2
- महत्त्वपूर्ण संवधिान संशोधन भाग-3
- भारतीय संवधिान: कठोर तथा लचीली दोनों प्रकार की वशिषताओं का सम्मशि्रण

वगित वर्षों के प्रश्न

प्र. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2019)

1- भारत के संवधिान के 44 वें संशोधन द्वारा लाए गए एक अनुच्छेद ने प्रधानमंत्री के चुनाव को न्यायकि पुनरावलोकन से परे कर दयिा।
2- भारत के संवधिान के 99 वें संशोधन को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने वखिंडति कर दयिा क्योंकि यह न्यायपालकिा की स्वतंत्रता का अतक्रिमण करता था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्र. नम्निलखिति संवधिान संशोधनों में से कौन-सा एक बताता है कि है मंत्रपिरषिद में प्रधानमंत्री सहति मंत्रयिों की कुल संख्या लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के पंद्रह प्रतशित से अधकि नहीं होगी? (2009)

(a) 90वाँ

(b) 91वाँ

(c) 92वाँ

(d) 93वाँ

प्र. नम्निलखिति में से कसि संवधिान संशोधन अधनियिम के तहत भारत के संवधिान की आठवीं अनुसूची में चार भाषाओं को जोड़ा गया था, जसिसे उनकी संख्या बढ़ कर 22 हो गई? (2008)

(a) संवधिान (90वाँ संशोधन) अधनियिम

(b) संवधिान (91वाँ संशोधन) अधनियिम

(c) संवधिान (92वाँ संशोधन) अधनियिम

(d) संवधिान (93वाँ संशोधन) अधनियिम

प्र. संवधिान (73वाँ संशोधन) अधनियिम, 1992 जसिका लक्ष्य पंचायती राज संस्थाओं को बढ़ावा देना है, नम्निलखिति में से कसि/कनि चीज़ों की व्यवस्था करता है? (2011)

1- ज़िला योजना समतियिों का गठन करने की।
2- राज्य नरि्वाचन आयोग द्वारा सभी पंचायतों का चुनाव करने की
3- राज्य वति्त आयोगों की स्थापना करने की।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

प्र. कसि प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान भारत के संवधिान में नौवीं अनुसूची को पुरःस्थापति कयिा गया था? (2019)

(a) जवाहरलाल नेहरू

(b) लाल बहादुर शास्त्री

(c) इंदरिा गांधी

(d) मोरारजी देसाई

प्र. गोपनीयता के अधकिार को जीवन जीने और व्यक्तगित स्वतंत्रता के अधकिार के एक आंतरकि भाग के रूप में संरक्षति कयिा गया है।

उपर्युक्त कथन को नम्निलखिति में से कौन-सा भारत के संवधिान में सही और का उचति अर्थ प्रदान करता है? (2018)

(a) अनुच्छेद 14 और 42 वें संवधिान में संशोधन के तहत प्रावधान।

(b) अनुच्छेद 17 और भाग IV में राज्य के नीतनिरि्देशक सद्धिांत द्वारा प्रावधान।

(c) अनुच्छेद 21 और भाग III में दी गई स्वतंत्रता की गारंटी

(d) अनुच्छेद 24 और 44 वें संवधिान में संशोधन के तहत प्रावधान।

राष्ट्रपतएिवं राज्यपाल

राष्ट्रपतितथा राज्यपाल अत्यंत महत्त्वपूर्ण संवैधानकि पद हैं जो हमेशा ही UPSC की दृष्टसि वशिेष स्थान रखते रहते हैं। क्रमकि वर्षों में इन दोनों पदों से संबंधति ववििधि प्रश्न पूछे गए हैं। नीचे दयि गए लकि्स के माध्यम से आप इन टॉपकि्स से संबंधति लेख प्राप्त कर सकते हैं।

- राज्यपाल का पद और संबंधति ववािद
- नयिम 12
- राज्यपाल
- राष्ट्रपतशिासन
- अमेरकिी राष्ट्रपतपिर महाभयिोग
- राष्ट्रपतकिी क्षमादान की शक्तति
- भारत के राष्ट्रपतका चुनाव और पद की गरमिा

वगित वर्षों के प्रश्न

प्र. नम्निलखिति में से कौन-सी कसिी राज्य के राज्यपाल को दी गई ववकिाधीन शक्तयिाँ हैं? (2014)

1- राष्ट्रपतशिासन को लागू करने के लएि भारत के राष्ट्रपतको एक रपिोर्ट भेजना
2- मंत्रयिों की नयिुक्तकिरना
3- राज्य के वधिानमंडल द्वारा पारति कएि गए कुछ वधियकों को राष्ट्रपतके वचिार के लएि सुरक्षति रखना
4- राज्य सरकार द्वारा व्यवसाय का संचालन करने के लएि नयिम बनाना

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

प्र. निम्नलिखित में से किस एक का यह सुझाव था कि राज्यपाल को उस राज्य के बाहर का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिये और उसे एक ऐसा तटस्थ व्यक्ति होना चाहिये जिसके गहन राजनीतिक जुड़ाव न हों या उसने हाल के पिछले वर्षों में राजनीति में भाग नहीं लिया हो? (2019)

(a) पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966)

(b) राजमन्नार समिति (1969)

(c) सरकारिया आयोग (1983)

(d) संविधान के कार्यचालन की समीक्षा हेतु राष्ट्रीय आयोग (2000)

प्र. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की शक्ति निहित है: (2014)

(a) भारत के राष्ट्रपति में

(b) संसद में

(c) भारत के मुख्य न्यायाधीश में

(d) विधि आयोग में

प्र. निम्नलिखित में से कौन वित्त आयोग द्वारा की गई प्रत्येक सिफारिश को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगा? (2010)

(a) भारत का राष्ट्रपति

(b) लोकसभा का अध्यक्ष (स्पीकर)

(c) भारत का प्रधान मंत्री

(d) वित्त मंत्री

प्र. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1- प्रत्येक एम.एल.ए. के वोट का मूल्य अलग-अलग राज्य में अलग-अलग होता है।
2- लोकसभा के सदस्यों के वोट का मूल्य राज्यसभा के सदस्यों के वोट के मूल्य से अधिक होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

संसद और राज्य विधायिका

यह UPSC के सर्वकालिक पसंदीदा विषयों में से एक रहा है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में इससे संबंधित विभिन्न प्रश्न परीक्षा में पूछे गए हैं। इस विषय पर पूछे गए प्रश्नों के प्रकार का विश्लेषण कर छात्र इस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में अनुमान लगा सकते हैं।

- संसदीय बनाम अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली
- 15 सूत्रीय सुधार चार्टर
- विधानपरिषद

- ओडशिा में वधिानपरषिद
- राज्यों में वधिानपरषिदें
- राज्यसभा चुनाव प्रक्रयिा
- राज्यसभा की भूमकिा
- लोकसभा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष
- लोकसभा अध्यक्ष और अनयिंत्रति सांसद
- संसदीय प्रणाली में सदन का अध्यक्ष
- संयुक्त संसदीय समति
- एक देश-एक चुनाव की अवधारणा

वगित वर्षों के प्रश्न

प्र. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2013)

1- भारत के संवधिान में संशोधन केवल लोकसभा में एक वधियेक की पुरःस्थापना द्वारा ही प्रारंभ कयिा जा सकता है।
2- यदि ऐसा वधियेक संवधिान संशोधन के संघीय चरत्रि में परविर्तन की माँग करता है, तो संशोधन का अनुसमर्थन भारत के सभी राज्यों के वधिानमण्डल द्वारा कयिा जाना भी आवश्यक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्र. लोकसभा और राज्यसभा के बीच गतरिोध की कसि स्थति/िकनि स्थतियिों में संसद् की संयुक्त बैठक बुलाई जाती है? (2012)

1- साधारण वधि नरि्माण को पारति करने की स्थति में
2- धन वधियेक को पारति करने की स्थति में
3- संवधिान संशोधन वधियेक को पारति करने की स्थति में

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2, और 3

प्र. भारत की संसद के संदर्भ में नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

1- गैर-सरकारी वधियेक ऐसा वधियेक है जो संसद के ऐसे सदस्य द्वारा प्रस्तुत कयिा जाता है जो नरि्वाचति नहीं है कति भारत के राष्ट्रपत द्वारा नामनरि्दष्टि है।
2- हाल ही में भारत की संसद के इतहिास में पहली बार गैर-सरकारी वधियेक पारति कयिा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

प्र. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2013

1- केंद्र में मंत्रपिरषिद संसद के प्रतसिामूहकि रूप से उत्तरदायी होगी।
2- संघीय मंत्री भारत के राष्ट्रपतकि प्रसादपर्यंत पद धारण करेंगे।
3- वधि-िनर्िमाण हेतु प्रस्ताव के बारे में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपतकिो सूचति करेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

प्र. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

1- लोकसभा अथवा राज्य की वधिान सभा के नर्िवाचन में, जीतने वाले उम्मीदवार को नर्िवाचति घोषति कयि जाने के लयि, कयि गए मतदान का कम-से-कम 50 प्रतशित पाना अनविार्य है।
2- भारत के संवधिान में अधकिथति उपबंधों के अनुसार, लोकसभा में अध्यक्ष का पद बहुमत वाले दल को जाता है तथा उपाध्यक्ष का पद वपिक्ष को जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

आपातकालीन प्रावधान/आपात उपबंध

यह टॉपकि भी UPSC के सर्वकालकि पसंदीदा वषियों में से एक है, क्योंकपिछिले कुछ वर्षों में इससे संबंधति ववििधि प्रश्न परीक्षा में पूछे गए हैं। इस वषिय पर पूछे गए प्रश्नों के प्रकार का वश्लिेषण कर छात्र इस वर्ष की प्रारंभकि परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का सही अनुमान लगा सकते हैं।

- राष्ट्रपतशिासन
- आपात उपबंध
- 1975 का राष्ट्रीय आपातकाल

वगित वर्षों के प्रश्न

प्र. यदभिारत के राष्ट्रपतसिंवधिान के अनुच्छेद 356 के तहत प्रदत्त अपनी शक्तकिा प्रयोग एक वशिेष राज्य के संदर्भ में करते हैं, तो (2018)

(a) राज्य की वधिानसभा स्वतः ही वघिटति हो जाती है।

(b) उस राज्य की वधिानमंडल की शक्तयिों का प्रयोग संसद के अधकिार के तहत कयि जा सकता है।

(c) अनुच्छेद 19 उस राज्य में नलिंबति हों जाता है।

(d) राष्ट्रपतइिस राज्य से संबंधति कानून बना सकता है।

प्र. कसिी राज्य में राष्ट्रपतशिासन की उद्घोषणा के नम्निलखिति में से कौन-से परणिामों का होना आवश्यक नहीं है? (2017)

1- राज्य वधिान सभा का वघिट
2- राज्य में मंत्रपिरषिद का हटाया जाना
3- स्थानीय नकिायों का वघिटन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/day-8